

हवाई पत्र
Aerogramme



To. SHRI S. H. RAZA
81 AVENUE SECRETAN
75019 PARIS
(FRANCE)

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

भेजने वाले का नाम और पता:-
Sender's Name and Address:-

A. H. Jafri (Guard)
Riy. Qa. Pothohar Phortark
DAMOH

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये
No Enclosures Allowed

७८६
११०

Demoh
7.2.79.

किल्ला वा काबा माईजान

अगदाव अर्ज

रिचरित का लालिब व रिचरित अग
का एक कोला मा घरचा व कोलो
परसो मिला पढ़कर अजहद खुशी हुई
पुछी इस बात की कि अग वक्त
न होते हुए भी ४-चार बारने अगनी
रिचरित की लिखी वस हम लोगों की
सिर्फ इतनी ही रचाहिश रहती है कि
अग की सिर्फ रिचरित मिलती रहे
वह ही हम लोगों की बहुत बड़ी हीलत
होगी।

हो माईजान मैंने अग को
७ जनवरी को अग को जो खत लिखा
है उस से अग को पूरा २ चला लग गया
होगा कि यहाँ के वकीलों के साथ २
जबलूर जाकर जो वकीलों से बात हुई
वह सब कारवाई वाकर मियों के आने
तक रुकी है - अग को ओर वाकर मियों
को साथ २ खत लिखे थे लेकिन नहीं
वह अगये और नहीं उन्होंने खत का
जबाब दिया। लिहाजा १५ ता० तक उनका
इन्तजार करूंगा व १६ ता० को हम दोनों भोजपूर
जायेंगे। और जाकर उनको लाने की कोशिश
करेंगे। कबों कि वकीलों का कहना है
कि एक कोठरी पर कब्जा मिलने से
केस में जान अजायेगी। बाकी हालत
काबिले अक है।

माईजान अग का बम्बई का व
चेरिस का खत इस खत के पहले
मिले थे जिन के जबाब में मैंने
७ जनवरी को खत लिखा था।

माईजान पहले के खत
में और नहीं इस खत में अग ने
माईजान के बारे में कुछ भी नहीं
लिखा है कैसी है - क्या हम
लोगों से इतनी नराज हैं कि
एक लफ्जा भी नहीं लिखना पसन्द
करती है।

अगरा का यह अगवरी
बनाल है फायनाल में है अगनी
पढ़ाई में लगी रहती है। अग इस बात
का करती है कि मामूँ से न मिलसकी
अगनी मुमानी को अगदाव कहती
है। अग ने जो फेरो भेजे हैं वे
बहुत अच्छे हैं अब को च्यारे
लगे।

अच्छे अपने मामू व मुमानी
को अगदाव कहते हैं।

मेरी तरफ से श्री माईजान
की रिचरित में अगदाव करें।

अग का खादिम
जाकर

के सिद्धांत जान (१०१)

जादू के सै दबै तो आप

ने फेरो वकरो बिया

के त्रिसी सै फेरो वकरो

बिया ब सब सै आप

फाकिस तो बालुन को

सै फेरो वकरो

फेरो आप सै सै

खोड़ा सै आप नाफि सै

بی بی جان
 بی بی جان
 آداب مکر خشن بکشد آداب
 کے گزاشی ایک پیش خطاطی
 سیرسون فوٹو سلیو بی بی
 دیکر بیت فوشی ہو گئے ہیں
 ایکانی کا ملنے جانے کے دیکو
 بیت سکون ملتا ہے اور
 بیت فوشی ہوئی ہے
 مکان بی بی جان آپ سے
 مینے جو پال میں کہا تھا

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



प्रति,
श्री सैयद हदर रजा Shari S.H. Raza

[विशिष्ट अतिथि म.प्र. शासन]

मध्य प्रदेश ^{लालित} कला अकादमी (सेवन)
Camp, M.P. Lalit Kala Parishad, Bhopal

मौ या ए

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

श्री काबूल वामी

राइटर

1-20, अखादी बाई - 2

पिन PIN

दमोह (म.प्र.)

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

५
दमोह
१२.१२-७८

५ श्री कान्त वसो
रुडवोकेट
सह सचिव, "नवादित"
१८०, असादी वार्ड-२
दमोह (म० प्र०)

श्रेष्ठ राजा सा०,

सादर वंदे,

— आपके हिन्दुस्तान आगमन और
सम्यक् प्रवेश शासन द्वारा स्वागत सम्मान किए
जाने का कार्यक्रम विभिन्न समाचार पत्रों में
दृष्टी रखने से मालूम पड़ा। समाचार पत्रों
में स्वागत तिथि तो खिली थी किन्तु
पर शात नहीं हो सका कि आपका निवास
स्थान मोपाल में कहां रहेगा जहां आपको
मैं पत्र लिख सकूँ। माई सा० आपसे मुझे
बहुत शिकायत है आपका ४-६ माह से कोई
पत्र नहीं मिला। गुरु दरयाब सिंह जी के साथ
ही मैंने आपको पत्र लिखा था परन्तु आप
शापद इतने व्यस्त रहे कि हम लोगों के
पत्र का जवाब नहीं दे सके और न
ही हिन्दुस्तान जाने के कार्यक्रम की ही
सूचना दे सके। रविवर, आप अपने वापस
के अनुसार फतः मालूम मरि पधारे

किन्तु आश्चर्य है कि विगत कार्यक्रम की
भांति इस बार भी आपने दमोह का
कार्यक्रम नहीं बनाया। शायद आपने दमोह
आना अब आवश्यक नहीं समझा है क्योंकि
जाफरी साहब, और दुस्सा दी से आपकी
मुलाकात मोपाल में ७ दिसम्बर को हो ही
गई है, और जैसा कि आपके ज्ञात ही
हो गया होगा कि आपके कल्ला गुरु
धरम सिद्धेय दरयाव सिंह जी राठीर का
देलावसान विगत दिनों हो गया है। गुरु
दरयाव सिंह जी के दुःखद निधन के समाचार
ने आपके मानसिक रूप से विचलित
कर दिया होगा और शायद अब आपने दमोह
न करने का निश्चय कर लिया होगा।
क्योंकि मैं आपके विचारों व स्वभाव से
परिचित सा हो गया हूँ आप संवेदनशील
और इति मायुक कलाकार हैं। दमोह में
आपके चाहने वाले १०-२० व्यक्ति नहीं हैं बल्कि
असंख्य प्रयत्नकर्ता हैं और सभी फनः आपको अपने बीच
चाहते हैं।

आज ही जाफरी साहब तथा दुस्सा दी से
मिलने गया था उनसे आपके शालीय सम्मान की
पूरी जानकारी मिली और दिल प्रसन्नता से सर
गया वास्तव में मठ १० की संरक्षिता मठ १०
शासन को उसके इस विवेकपूर्ण सम्मान कार्यक्रम के
लिए धन्यवाद देनी है। आपको स्वागत सम्मान

कर वास्तव में मध्य प्रदेश शासन और मण्डल की जितनी आवश्यकता हुई है।

हम लोग नवोदित साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था के माध्यम से नगर के गौरव और आपके परम शुभ अलायस को अपनी विनम्र प्रार्थना प्रेषित करने के लिए दिनांक १६ एवं १७ दिसम्बर '७२ दिन शनिवार व रविवार को "स्व० छ० दरयाब सिंह राठौर स्मृति चित्रकला प्रदर्शनी" आयोजित कर रहे हैं। इस प्रदर्शनी में १४ दिसम्बर को नवोदित द्वारा आयोजित "स्व० जेष्ठराज पट्टादरगौर बाल चित्रकला प्रतियोगिता" में कच्चे द्वारा चित्रित कलाकृतियों के साथ ही नगर के लगभग १० कलाकारों की कलाकृतियाँ भी सम्मिलित रहेंगी।

नवोदित संस्था के सभी सदस्यगण और पदाधिकारीगण इस प्रार्थना कार्यक्रम में आपके सादर आमंत्रित करते हैं। जैसा हमें ज्ञात हुआ है आप की मोपल में १४/१२ तक प्रदर्शनी है। हेतु: मेरी आपसे हार्दिक प्रार्थना है कि आप १६ दिसम्बर को अवश्य ही दमोह जेल की कृपा करें। पत्र मिलते ही हमें तार या फोन (नं० २४१; ३४१; २४४) से अपने दमोह घंटायन की सूचना भेजिएगा। राज ही श्री चंडनारायण सिंह तथा श्री आप (मेनेजर सीमेंट डेपॉटरी) से आपके संबंध में बात हुई। उक्त भी आपसे व कनरोध प्रोटेक्शन गत कनरोध के साथ ही अवश्य ही पधारें।

मिश्र कला
१२/१२/७२